महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर–273007 (उ.प्र.)

सेवा पथ

मासिक ई–पत्रिका

- वर्ष – 1
- अंक – 4
- नवम्बर, 2023

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in

Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur-273007 (U.P.) coordinator.nss@mgug.ac.in www.mgug.ac.in

राष्ट्रीय सेवा योजना

विश्वविद्यालय संगठन

कुलपति : मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई
कुलसचिव : डॉ. प्रदीप कुमार राव
कार्यक्रम समन्वयक : डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

इकाई एवं कार्यक्रम अधिकारी

इकाई सं0	इकाई कोड	इकाई का नाम	कार्यक्रम अधिकारी का नाम
1	UP-80/001/23/001	महायोगी आदिनाथ	डॉ विकाश कुमार यादव
2	UP-80/002/23/101	महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ	,,,,,,
3	UP-80/003/23/201	महायोगी उदयनाथ	श्री धनन्जय पाण्डेय
4	UP-80/004/23/301	महायोगी सत्यनाथ	सुश्री श्रुति कुशवाहा
5	UP-80/005/23/401	महायोगी संतोषनाथ	सुश्री सुप्रिया गुप्ता
6	UP-80/006/23/501	महायोगी अचल-अचम्बेनाथ	सुश्री सत्यभामा सिंह
7	UP-80/007/23/601	महायोगी गजकन्थड़नाथ	सुश्री खुशबू
8	UP-80/008/23/701	महायोगी चौरंगीनाथ	सुश्री अमिरता

सम्पादक

डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

सम्पादक मण्डल

श्री धनंजय पाण्डेय, डॉ. संदीप श्रीवास्तव, डॉ. विकास कुमार यादव, डॉ. हरिकृष्ण

ग्राफिक्स एवं डिजाइन

श्री शारदानन्द पाण्डेय

‘सेवा पथ’

‘सेवा पथ’ एक मासिक ई–पत्रिका है, जिसका प्रकाशन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित **‘राष्ट्रीय सेवा योजना’** एवं **‘राष्ट्रीय कैडट कोर’** के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर एवं विश्वविद्यालय के बाहर दिए जा रहे योगदान, सामाजिक सेवा, समाज के उत्थान हेतु किए जा रहे कार्यों इत्यादि का संकलन किया गया है। **‘सेवा पथ’** मासिक ई–पत्रिका का **प्रथम संस्करण** माह **अगस्त 2023** में प्रकाशित किया गया था, जिसमें केवल **‘राष्ट्रीय सेवा योजना’** द्वारा किए गए सामाजिक कार्यो एवं क्रियाकलापों को संकलन किया गया था। किन्तु आगे की कड़ी में बढ़ते हुए इस माह की मासिक ई–पात्रिक के **‘चतुर्थ संस्करण’** में राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ–साथ राष्ट्रीय कैडट कोर की इकाई के द्वारा किए जा रहे गतिविधियों को भी इस माह से शामिल किया गया है।

इस मासिक ई–पत्रिका का नाम **‘सेवा पथ’** शब्द सामाजिक सेवा और सामाजिक उत्कृष्टता की प्रवृत्ति की ओर केन्द्रित है। यह एक व्यक्ति या समूह का उद्दीपन करता है जो समाज में सेवा करने के लिए समर्पित है। **‘सेवा पथ’** का आशय है कि व्यक्ति या समूह अपने कौशल, समर्पण की भावना से समाज को सेवा करें व दूसरों को भी सेवा करने के लिए उद्दीपित करता है। व्यक्ति या समूह जो सेवा पथ पर होता है, वे सामाजिक समस्याओं की पहचान करने के साथ–साथ समाधान ढूंढने और उन्हें सुलझाने में योगदान करता है। सामाजिक सेवा के माध्यम से, सेवा पथ से जुड़े व्यक्ति या समूह समृद्धि, समर्पण और सामाजिक न्याय की ओर प्रबल कदम बढ़ाता है।

इस तरह **‘सेवा पथ’** एक मार्गदर्शक शब्द है जो सेवा और समृद्धि की दिशा में अग्रसर होने के लिए सभी को प्रेरित करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना एक नजर में...

भारत में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा छात्रों का प्रथम कर्तव्य उनके अध्ययन की अवधि को केवल बौद्धिक ज्ञान तक ही सीमित न रखकर स्वयं को ऐसे व्यक्तियों की सेवा में समर्पित करना है जिन्हें राष्ट्र की वस्तुओं और सेवाओं की आवश्यकता हो और उन्हें हमारे देश की आवश्यक वस्तुएं प्रदान की जा सके, जो कि समाज के लिए अतिआवश्यक है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् डॉ. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में स्वैच्छिक आधार पर शैक्षिक संस्थाओं में "**राष्ट्रीय सेवा**" आरम्भ करने की सिफारिश की गयी थी। सन् 1959 में शिक्षा मंत्री के सम्मेलन के समक्ष योजना का एक मसौदा रखा गया। इस दिशा में सटीक सुझाव देने के लिए **28 अगस्त, 1959** को **डॉ. सी. डी. देशमुख** की अध्यक्षता में एक "**राष्ट्रीय सेवा समिति**" का गठन किया गया।

सन् 1960 में भारत सरकार की पहलता पर प्रो. के.जी. सैय्यदेन ने विश्व के कई देशों में छात्रों द्वारा क्रियान्वित "**राष्ट्रीय सेवा**" का अध्ययन किया और कई सिफारिशों के साथ सरकार को युवाओं के लिए "**राष्ट्रीय सेवा**" शीर्षक के तहत अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. डी.एस. कोठारी (1964–66) की अध्यक्षता में शिक्षा आयोग ने यह सिफारिश दी की शिक्षा के सभी स्तरों पर छात्रों को सामाजिक सेवा के किसी रूप से जोड़ा जाना चाहिए। इस पर अप्रैल, 1967 में राज्य शिक्षा मंत्री द्वारा उनके सम्मेलन के दौरान विचार किया गया की "**राष्ट्रीय सेवा योजना**" (एन.एस.एस.) नामक एक नया कार्यक्रम प्रदान किया जा सकता है। सितम्बर, 1969 में सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति के सम्मेलन में इस सिफारिश का स्वागत किया गया।

मई. 1969 में शिक्षा मंत्रालय तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थाओं के छात्र प्रतिनिधियों के सम्मेलन में घोषणा की गई कि "**राष्ट्रीय सेवा योजना**" राष्ट्रीय एकता के लिए सशक्त माध्यम हो सकती है। 24 सितम्बर, 1969 को तत्कालीन शिक्षामंत्री डॉ. वी.के. आर.वी. राव ने सभी राज्यों को शामिल करते हुए 37 विश्वविद्यालयों में "**राष्ट्रीय सेवा योजना**" (एन.एस.एस.) कार्यक्रम आरंभ किया। जिसका प्रथम उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से उनके व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना ही नही अपितु '**सेवा के माध्यम से शिक्षा देना**' ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य है।

आज राष्ट्रीय सेवा योजना विश्व भर में राष्ट्रीय विकास, सेवा, शांति, राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य करने वाले छात्र समूह की सबसे बड़े रचनात्मक संगठन के रूप में हमारे सामने है। राष्ट्रीय सेवा योजना ने अपने गौरवशाली वर्षों में युवा जागरुकता, राष्ट्र निर्माण और विश्व शांति के लिए अनेकानेक कार्यक्रमों के साथ अपनी पहचान बनाई है। ऐसे महान संगठन में आपका स्वागत है।

आइए! हम सब मिलकर एक समृद्ध राष्ट्र, एक विकसित राष्ट्र, एक जागृत राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें।

जय हिंद, जय भारत।

कार्ययोजना

राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को सृजनात्मक एवं रचनात्मक कार्यों के प्रति प्रेरित कर समाज सेवा का अवसर प्रदान कर उनके व्यक्तित्व को निखारने एवं भविष्य में उन्हें कर्त्तव्यनिष्ठ, संवेदनशील तथा उपयोगी नागरिक के रूप में सवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राष्ट्रीय सेवा योजना से प्राप्त प्रमाण–पत्र स्वयं सेवकों के अच्छे भविष्य के निर्माण में सहायक हैं। विद्यार्थी शासकीय तथा गैर शासकीय सेवाओं में इन प्रमाण–पत्रों का प्रयोग कर सकते हैं। उच्चतर कक्षाओं के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के समय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रमाण–पत्र धारक छात्रों को अतिरिक्त बोनस अंक भी दिये जाते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत दो प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन होते हैं :–

1. सामान्य कार्यक्रम 2. विशेष शिविर कार्यक्रम

1.सामान्य कार्यक्रम :–

सामान्य कार्यक्रम के अन्तर्गत **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** में पंजीकृत प्रत्येक विद्यार्थी को स्वयं सेवक के रूप में एक वर्ष में कम से कम 120 घंटे का समाज सेवा कार्य करना पड़ता है और दो वर्ष की अवधि में अर्थात् 240 घंटे का समाज सेवा कार्य पूरा करने पर उसे विश्वविद्यालय / महाविद्यालय से प्रमाण पत्र दिया जाता है।

2. विशेष शिविर कार्यक्रमः–

राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रत्येक इकाई द्वारा वर्ष में एक दस दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर विश्वविद्यालय महाविद्यालय के निकट किसी ग्राम में लगाया जाता है। विशेष शिविर में शिविर अनुभव भी अपना एक विशेष महत्व रखता है। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी शिविर जीवन का अनुभव प्राप्त करते हैं तथा एक अच्छे नागरिक के कर्त्तव्य का पालन एवं समाज के लिए वे क्या सेवा कर सकते हैं इसका ज्ञान प्राप्त करते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाईयों द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं स्त्रोतों और कुशल व्यक्तियों को देखते हुए विविध प्रकार के कार्यक्रम अभिग्रहित क्षेत्रों में लिए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थीगण अन्य क्षेत्रों में भी कार्य के लिए स्वतंत्र होंगे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ होती हैं–

- शिक्षा एवं मनोरंजन इसके अन्तर्गत साक्षरता, स्कूली शिक्षा पाठशाला छोड़ने वाले बच्चों की शिक्षा बालगृहों में कार्यशाला प्रवेश कार्यक्रम सांस्कृतिक गतिविधियाँ ग्रामीण एवं देशी खेलकूद सामाजिक बुराईयों के उन्मूलन पर चर्चाएं एवं जागरूकता के कार्यक्रमों का आयोजन मुख्य है।

- आपातकाल के कार्यक्रम विद्यार्थियों को प्रमुख रूप से लोगों को उनकी असहायता पर काबू पाने योग्य बनाने के लिए उनके साथ मिलकर कार्य करने सम्बन्धी कार्यक्रमों पर जोर देना चाहिए। इसके अलावा प्राकृतिक विपदाओं जैसे– भूकम्प, बाढ, तूफान आदि के आने पर सहायता और पुन्नर्वास कार्यो में स्थानीय लोगों अधिकारियों संस्थाओं को सहयोग देना प्रमुख हैं।

- पर्यावरण संवर्धन एवं परिक्षण ऐतिहासिक स्मारकों पुरावशेषों व अन्य सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं उनके प्रति चेतना पैदा करना पर्यावरण के प्रति समाज में चेतना जागृत करना वृक्षारोपण उनका बचाव और अनुरक्षण स्वच्छता के लिए सड़कों गलियों नालियों तालाबों पोखरों कुओं आदि की सफाई भूमि क्षरण की रोकथाम तथा भूमि सुधार गोबर गैस संयत्र सौर ऊर्जा के प्रयोग का प्रचार करना।

- स्वास्थ्य परिवार कल्याण और आहार पोषण कार्यक्रम टीकाकरण रक्तदान स्वास्थ्य शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य की देखभाल जनसंख्या शिक्षा और परिवार कल्याण रोगियों अनाथों वृद्धों की सहायता स्वच्छ पेयजल के प्रदाय की व्यवस्था एकीकृत बाल विकास तथा पौष्टिक आहार कार्यक्रमों का संचालन।

- महिलाओं के स्तर सुधार के कार्यक्रम महिलाओं की शिक्षा तथा उन्हें अपने संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के प्रति सचेत करना उनके सशक्तीकरण के उपाय सुझाना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण आदि कार्यक्रम संचालित करना।

- उत्पादनोन्मुखी कार्यक्रम उन्नत कृषि के तरीकों की जानकारी कीट व खरपतवार नियंत्रण भूमि परिक्षण एवं उपजाऊपन की देखभाल कृषि यंत्रों की देखभाल सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण और उनके प्रोत्साहन के लिए फार्म पशु पालन कुक्कुट पालन पशु स्वास्थ्य के बारे में सहायता एवं मार्गदर्शन कृषि तकनीकों के प्रयोग के प्रति जागरूकता पैदा करना आदि।

- अन्य गतिविधियाँ जो स्थानीय आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के आधार पर की जाएँ।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

राष्ट्रीय कैडेट कोर देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है। अकादमिक स्तर पर विद्यार्थियों को सैन्य प्रशिक्षण देकर राष्ट्र संकल्प की प्रेरणा देता है। राष्ट्रीय कैडेट कोर का लक्ष्य युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करना है। साथ ही सशक्त राष्ट्र के निर्माण में युवाओं में नेतृत्व गुणों का विकास करना है। राष्ट्रीय कैडेट कोर युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल एवं प्रेरित करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर की यूनिट जुलाई 2023 में अनुशंसित हुई। कड़ी चयन प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर गोरखपुर के प्रथम सत्र में 36 कैडेट्स का चयन किया गया। कुशल संचालन के लिए सीटीओ डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव एवं ए.एन.ओ. डॉ. हरी कृष्ण जी को कैडेट्स के प्रशिक्षण एवं विविध गतिविधियों के संचालन का दायित्व प्रदान किया गया है जिनके कुशल मार्गदर्शन कैडेट्स सैन्य प्रशिक्षण का अभ्यास कर रहे हैं ।

कैडेट्स राष्ट्रीय कैडेट्स कोर के मूल संकल्प एकता और अनुशासन के साथ अखंड भारत के संकल्प को पूर्ण करने का सौभाग्य ग्रहण कर रहे है। राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। राष्ट्रीय कैडेट कोर का अहम लक्ष्य शिक्षा के साथ युवाओं को सैन्य अनुशासन का अभ्यास कराके देश की रक्षार्थ प्रेरणा देना है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर एक दृष्टि में...

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) भारतीय सैन्य कैडेट कोर है जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। यह एक स्वैच्छिक संस्था है जो पूरे भारत के स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से कैडेटों की भर्ती करती है। कैडेटों को परेड एवं छोटे हथियार चलाने का बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है। अधिकारियों और कैडेटों को पाठ्यक्रम पूरा करने पर सक्रिय सैन्य सेवा में जाने की कोई बाध्यता नहीं होती हैए किंतु एनसीसी के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों के आधार पर उन्हें चयन के समय सामान्य अभ्यर्थियों की अपेक्षा वरीयता दी जाती है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर का इतिहास

राष्ट्रीय कैडेट कोर थल सेना, नौसेना और वायुसेना के सम्मिलन वाला एक त्रिसेवा संगठन है जो देश के युवाओं को संवार कर अनुशासित और देशभक्त नागरिकों में ढाल देता है। एनसीसी की उत्पत्ति को यूनिवर्सिटी कोर के साथ जोड़ा जा सकता है जिसकी स्थापना भारतीय रक्षा अधिनियम 1917 के तहत थल सेना में सैनिकों की कमी को पूरा करने के लिए की गई थी। 1920 में जब भारतीय प्रादेशिक अधिनियम पारित किया गया तो इस यूनिवर्सिटी कोर को यूनिवर्सिटी ट्रेनिंग कोर (UTC) में बदल दिया गया। इसका उद्देश्य यूटीसी की स्थिति सुधारना और इसे युवाओं के लिए अधिक आकर्षक बनाना था। यूटीसी अधिकारी और कैडेट सेना जैसी वर्दी पहनते थे। यह सशस्त्र सेनाओं के भारतीयकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। 1942 में यूटीसी का नाम बदलकर यूनिवर्सिटी ऑफिसर्स ट्रेनिंग कोर (UOTC) रखा गया।

राष्ट्रीय कैडेट कोर भारत में नेशनल कैडेट कोर एक्ट, 1948 द्वारा गठित किया गया। इसकी स्थापना 15 जुलाई, 1948 को हुई। एनसीसी को यूओटीसी का उत्तराधिकारी माना जा सकता है जिसकी स्थापना ब्रिटिश सरकार द्वारा 1942 में की गई थी। स्वतंत्र भारत में युद्ध और शांति के समय युवाओं को सैन्य

अकादमिक प्रशिक्षण देकर राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करना था। पंडित हृदयनाथ कुंजरू की अध्यक्षता में स्कूलों व कॉलेजों में राष्ट्रीय स्तर के एक कैडेट संगठन की स्थापना की सिफारिश की। 15 जुलाई, 1948 को राष्ट्रीय कैडेट कोर एक्ट गवर्नर जनरल द्वारा स्वीकार कर लिया गया और इसके साथ ही राष्ट्रीय कैडेट कोर अस्तित्व में आया।

पाकिस्तान के साथ 1965 और 1971 के युद्धों में एनसीसी कैडेट रक्षा की दूसरी पंक्ति में थे। उन्होंने आयुध निर्माणियों की मदद के लिए शिविर आयोजित किए, युद्धस्थल पर हथियार और गोला–बारूद पहुँचाए और शत्रु सेना के पैराट्रूपर्स को पकड़ने वाले गश्ती दलों की तरह कार्य किया। एनसीसी कैडेटों ने नागरिक सुरक्षा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य किया और सक्रिय रूप से बचाव कार्य और यातायात नियंत्रण में भाग लिया। 1965 और 1971 के भारत–पाक युद्धों के पश्चात राष्ट्रीय कैडेट कोर के पाठ्यक्रम में संशोधन किये गए। केवल रक्षा की द्वितीय पंक्ति होने के बजाय अब इसमें नेतृत्व के गुणों और अधिकारियों जैसे गुणों के विकास पर अधिक बल दिया जाने लगा।

कोर की शुरुआत वरिष्ठ वर्ग के 32.500 और कनिष्ठ वर्ग के 1,35,000 कैडेटों के साथ हुई थी। तब से यह बहुत तेजी से बढ़ी है और अधिकृत कैडेट संख्या अब 1420 लाख तक पहुँच चुकी है। हालांकि यह संख्या अपने आप में काफी महत्वपूर्ण है, फिर भी यह देश के भर्ती योग्य विद्यार्थियों की संख्या का लगभग केवल 35 प्रतिशत ही है। राष्ट्रीय कैडेट कोर की 814 इकाइयों का जाल 4829 कॉलेजों और 12545 विद्यालयों द्वारा संपूर्ण भारत में फैला हुआ है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर को अंतर्सेवा छवि तब प्राप्त हुई जब 1950 में इसमें वायु स्कंध और 1952 में नौसेना स्कंध को भी जोड़ा गया। स्कूल के विद्यार्थियों (कनिष्ठ वर्ग) को प्राथमिक सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता था जबकि कॉलेज के विद्यार्थियों (वरिष्ठ वर्ग) को सशस्त्र सेना के संभावित अधिकारी के रूप में प्रशिक्षित किया जाता था। इस प्रयोजन हेतु आर्मर्ड कोर, आर्टिलरी, इजीनियर्स, सिग्नल्स, इफैंटरी और मेडिकल कोर की इकाइयों की स्थापना राष्ट्रीय कैडेट कोर में की गई।

1960 तक, संपूर्ण भारत के स्कूल–कॉलेजों में एनसीसी की इकाइयों की माँग बहुत बढ़ गई थी। इस बढ़ती हुई माँग को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर राइफल्स (NCCR) की स्थापना की गई। 1962 के चीन के आक्रमण के बाद संपूर्ण देश में एनसीसी को अनिवार्य बना देने की माँग उठी। फलस्वरूप 1963 में कॉलेज के प्रथम तीन वर्षों में 16 से 25 वर्ष की आयु के सभी सक्षम शरीर वाले लड़कों के लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया गया।

1986 में भारत सरकार ने थपन समिति को राष्ट्रीय कैडेट कोर के लक्ष्यों और उद्देश्यों के संदर्भ में इसके कामकाज का पुर्नमूल्यांकन करने के आदेश दिये। लेफ्टिनेंटे जनरल (रिटायर्ड) एम. एल. थपन (PVC) की अध्यक्षता वाली इस समिति ने अपनी रिपोर्ट जून, 1988 में पेश की। थपन समिति के सुझावों के अनुरूप सरकार ने 1992 में राष्ट्रीय कैडेट कोर के लक्ष्यों को संशोधित रूप में अनुमोदित किया जो इस प्रकार थे।

(i) देश के युवाओं में चरित्र, साहस, भाई–चारे, अनुशासन, नेतृत्व धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहसिक अभियानो, खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा के आदर्शों एवं गुणों का विकास करना जिससे कि वे उपयोगी नागरिक बन सकें।

(ii) संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो कि बलों के साथ. साथ जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर सके और हमेशा देश की सेवा के लिए तत्पर रहें।

रक्षा मंत्रालय द्वारा मार्च 2001 में अनुमोदित किये गए राष्ट्रीय कैडेट कोर के लक्ष्य इस प्रकार है। (1) देश के युवाओं के चरित्र भाई–चारे अनुशासन, नेतृत्व धर्म–निरपेक्षता के दृष्टिकोण साहसिक अभियानों में रुचि खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा भाव को विकसित करना।

(iii) संगठित प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो जीवन के सभी क्षेत्र नेतृत्व प्रदान कर सके और देशसेवा के लिए तत्पर रहें।

(a) सशस्त्र बलों में अपना कैरियर शुरू करने के लिए युवाओं को प्रेरित करने से तैयार करना।

राष्ट्रीय कैडेट कोर का आदर्श वाक्य (Motto)

एकता और अनुशासन (Unity and Discipline)

महानिदेशक के चार आधारभूत सिद्धांत :

1. मुस्कान के साथ आज्ञापालन करो

2. समयनिष्ठ

3. निःसंकोष कठिन परिश्रम करो

4. बहाने मत बनाओ और झूठ मत बोलो

राष्ट्रीय कैडेट कोर के वर्तमान लक्ष्य :
देश के युवाओं के चरित्र भाई–चारे अनुशासन नेतृत्व, धर्म–निरपेक्षता के दृष्टिकोण साहसिक अभियान में रूप और निस्वार्थ सेवा भाव को विकसित करना। 2 संगठित प्रतिक्षित और प्रेरित के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जीवन के सभी प्रदान कर सके और हमेशा देश सेवा के लिए समर्पित रहें।

शपथ : मैं सत्यनिष्ठा से शपथ लेता/लेती हूँ कि पूरी सम्बाई और श्रद्धा से अपनी मातृभूमि की करूँगा/करूँगी और एनसीसी के सभी नियमों और अधिनियमों का पालन, इसके अलावा, अपने कमांडिंग ऑफिसर के आदेश और नियंत्रण के अनुसार प्रत्येक परे और में पूरी शक्ति के साथ हिस्सा लूंगा/लूंगी।

प्रतिज्ञा : हम राष्ट्रीय कैडेट कोर के बडे सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करते हैं कि हमेशा भारत की एकता को बनाए रखेंगे हम संकल्प करते हैं कि हम भारत के अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनेगे। इस अपने साथी जीवों के हित में निःस्वार्थ भाव से सामुदायिक सेवा हेतु प्रतिबद्ध रहेंगें।

मतदाता जागरूकता अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना

दिनांकः 02 नवम्बर, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में निर्वाचन अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्लोगन प्रतियोगिता कराया। जिसका विषय 'वोट जैसा कुछ नही, वोट जरूर डालेंगे' का आयोजन किया गया। जिसमें संबद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय, कृषि विज्ञान और फार्मेसी विभाग के छात्र और छात्रा ने प्रतिभाग किया जिसमें लगभग 112 विद्यार्थी ने अपने–अपने स्लोगन लिखकर 'आलस को भगाएंगे, वोट करने जायेंगे' का नारा लगाकर सभी को वोट के प्रति संकल्पित किया।

स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

कार्यक्रम में सम्बद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पांडेय, श्री अनिल मिश्र और सम्बद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील सिंह, कृषि विज्ञान के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, फार्मेसी के प्राचार्य डॉ. एस.के. सिंह राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार दुबे का सहयोग रहा और विश्वविद्यालय से निर्वाचन योद्धा शिवम पाण्डेय, शिवानी सिंह, सागर जायसवाल खुशी गुप्ता, सिद्धार्थ दुबे ने सहयोग किया।

मेंहदी प्रतियोगिता

राष्ट्रीय सेवा योजना

छात्राओं द्वारा बनाई गई मेंहदी का अवलोकन करती हुई डॉ. अनुपमा ओझा

दिनांकः 06 नवम्बर, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में निर्वाचन आयोग द्वारा संकल्पित मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत मेंहदी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने मतदान का संकल्प लिया। विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मेहंदी प्रतियोगिता में सभी संकायों के छात्र–छात्राओं ने 'मेरा वोट, मेरा अधिकार, चलो मतदान करे' विषय को केंद्रित करते हुए मेहंदी प्रतियोगिता में अपने हाथ पर लगाकर अपने भावो को अभिव्यक्त किया। मतदाता जागरूकता के नोडल अधिकारी (निर्वाचक अग्रदूत) डॉ. संदीप श्रीवास्तव के संयोजन में 75 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। मेहंदी प्रतियोगिता के विषय 'मेरा वोट मेरा अधिकार, चलो मतदान करें' पर राष्ट्रीय सेवा योजना के डॉ. अखिलेश दुबे, डॉ. धनंजय पाण्डेय और राष्ट्रीय कैडेट कोर के डॉ. हरिकृष्ण जी ने विद्यार्थियों को वोट की शक्ति और महत्व पर सभी का मार्गदर्शन किया। आयोजन संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, आयुर्वेद कॉलेज, कृषि विज्ञान और फार्मेसी विभाग और नर्सिंग के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में 'लोकतंत्र की जान आ गया मतदान का त्यौहार' और 'आलस को भगाएंगे' वोट करने जायेंगे' का नारा लगाकर सभी को वोट के प्रति संकल्पित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्री श्रीकांत, आयुर्वेद कॉलेज के डॉ. मंजूनाथ एन.एस., सम्बद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, कृषि विज्ञान के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, पैरामेडिकल के डॉ. रोहित श्रीवास्तव, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एस. के. सिंह का सहयोग रहा। प्रतियोगिता में सभी निर्वाचक योद्धा शिवम पांडेय, शिवानी सिंह, सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, शिवम सिंह, राहुल वर्मा, अभिषेक ओझा, और सिद्धि सिन्हा, विजय चौधरी, अनुभव ने सहयोग किया। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के मतदाता जागरूकता अभियान के नोडल अधिकारी (निर्वाचक अग्रदूत) डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जनपदीय नोडल अधिकारी प्रो. (श्रीमती) कुमुद त्रिपाठी जी के दिशा निर्देशानुसार मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से शासन द्वारा 1 नवंबर से 9 दिसंबर 2023 तक विश्वविद्यालय स्तर पर प्रतियोगिता सुनिश्चित की गई है। मेंहदी प्रतियोगिता की निर्याणक डॉ. अनुपमा ओझा, प्रभा शर्मा, ई. अपूर्वा आनंद सिंह ने श्रेष्ठता के आधार पर प्रतिभागियों का चयन किया। मेंहदी प्रतियोगिता का परिणामः प्रथम स्थान–साधना साहनी, द्वितीय स्थान–सेजल, अलका कुशवाहा, अमृता कन्नौजिया, तृतीय स्थान–मधु गोंड, अमृता कन्नौजिया, अलका कुमारी, सांत्वना–शालिनी चौहान, अर्चिता गुप्ता, पूर्णिमा गुप्ता, रेखा, ऋतु पांडेय,निधि, मनिता रहीं।

रंगोली प्रतियोगिता

राष्ट्रीय सेवा योजना

दिनांकः **06 नवम्बर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्रांगण में आयोजित किया गया।

नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा जी ने छात्रा–छात्राओं को मतदान के प्रति जागरूक करते हुए कहा की लोकतंत्र के नव निर्माण में मतदाता को अपनी मतदान शक्ति का प्रयोग जरूर करना चाहिए। मत की शक्ति से सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। 'मेरा वोट, मेरी पहचान, और 'चलो मतदान करें' के संकल्प से समृद्ध भारत के नव निर्माण में संकल्पित होना है।

रंगोली बनाती हुई नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं

रंगोली प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों ने लोकतंत्र के विविध रंग को अपनी रंगोली में अभिव्यक्ति किया । रंगोली प्रतियोगिता में समूह और एकल रंगोली बनाकर अपने भावों को अभिव्यक्त किया।

प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ. यास्मीन, श्वेता अल्बर्ट ने श्रेष्ठ रंगोली में प्रथम स्थान–शालनी, निधि, द्वितीय स्थान–ब्यूटी, प्रतीक्षा, प्रीति, दरख्शा बानो, तृतीय स्थान–दीपिका और सागर, सांत्वना–पलक ने प्राप्त किया ।

मतदाता जागरूकता अभियान में रंगोली प्रतियोगिता का संयोजन नोडल अधिकारी (निर्वाचक अग्रदूत) डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में संयोजित किया गया। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय कैडेट कोर के डॉ. हरिकृष्ण, राष्ट्रीय सेवा योजना के धनंजय पाण्डेय का सहयोग रहा। निर्वाचक योद्धा शिवम पाण्डेय, शिवानी सिंह, नीलेश कुमार यादव, सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, सिद्धि सिन्हा, शिवम, राहुल वर्मा, निकिता श्रीवास्तव और अंकिता तिवारी, नर्सिंग कॉलेज के अक्षय एडवर्ड, आराधना, रोज़ी, अर्चना, सलोनी, खुशबू, श्वेता, आरोही, प्रतिष्ठा मिश्रा, ब्यूटी, साक्षी शर्मा, रिया, पलक, नेहा, ज्योति, शालिनी, निधि, दीपिका, सागर यादव, प्रीति शर्मा, दरख्शा बानो आदि ने सहयोग किया।

जागरूकता अभियान

महायोगी चौरंगीनाथ इकाई

कुष्ठ आश्रम में स्वच्छता अभियान के अतंर्गत साफ–सफाई करतीं हुई नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं

दिनांकः **09 नवम्बर, 2023** को कुष्ठ आश्रम राजेन्द्र नगर गोरखपुर में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई महायोगी चौरंगीनाथ इकाई की स्वयंसेविकाओ ने गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉक्टर डी. एस. अजीथा के नेतृत्व में कुष्ठ आश्रम के रोगियों के साथ मिले, वहां पर उनके बारे में जानकारी ली फिर उन्हें स्वच्छता और सफाई के महत्व को समझाया। यह कार्य स्वयंसेविकाओ ने उन्हें करके और कराकर जागरूक किया। सभी स्वयंसेविकाओ ने मिलकर आश्रम परिसर की सफाई का भी कार्य कर उसे स्वच्छ और सुन्दर बनाने में मदत की। स्वयंसेविकाओ ने आश्रम में यह देखा कि आश्रम तीन भागों मे विभाजित है, जिसमें पहले विभाग मे मानसिक रोगी, दूसरे विभाग में महिला कुष्ठरोगी एवं तीसरे विभाग में पुरूष कुष्ठरोगी थे। आश्रम में बहुत सारे ब्लॉक थे। प्रत्येक ब्लॉक में दो रोगियों को रखा गया था। स्वयंसेविका सभी से मिली और उन्हें जागरूक किया।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई महायोगी चौरंगीनाथ के कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सत्यभामा सिंह, सुश्री अमृता की देखरेख में कराया गया।

मतदाता जागरूकता अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना

मतदान करने हेतु वोटर आई.डी. की महत्ता पर प्रकाश डालते श्री साकेत कुमार त्रिपाठी, चकबंदी अधिकारी, गोरखपुर

दिनांकः **09 नवम्बर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में निर्वाचन आयोग द्वारा संकल्पित मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत लोकतंत्र के संकल्प में हर वोट जरूरी के लिए आज चकबंदी अधिकारी श्री साकेत कुमार त्रिपाठी, श्री दिनेश कुमार पंकज लेखपाल और श्री उमेश चन्द लेखपाल सुपरवाइजर और लक्ष्मण चौहान बीआरसी ऑपरेटर मौजूदगी में सभी विभाग के छात्र और छात्रों को चकबंदी अधिकारी श्री साकेत कुमार त्रिपाठी ने बताया कि एक वोट का क्या महत्व होता है जब इस बार लोकसभा में इस बार ज्यादा से ज्यादा वोटिंग किया जाए। इस कार्यक्रम में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्री श्रीकांत, संबद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एस.के. सिंह और नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डी. एस. अजीथा और मतदाता जागरूक के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव (निर्वाचन अग्रदूत) और राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी श्री धनंजय पाण्डेय का योगदान रहा। इस कार्यक्रम में मतदाता जागरूक के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने अटल बिहारी बाजपेई की सरकार का उदहारण देकर छात्र को उनके वोट और महत्व बताया और उन्होंने सभी विद्यार्थी से अनुरोध किया को वह अपना वोटर आईडी बनवा लें और लोकतंत्र के त्योहार में अपना योगदान दें। कार्यक्रम के दौरान निर्वाचक योद्धा शिवम पाण्डेय और मंजीत यादव ने सहयोग किया।

मतदाता जागरूकता निबंध प्रतियोगिता

राष्ट्रीय सेवा योजना

निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

दिनांकः **21 नवम्बर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान प्रतियोगिता के श्रृंखला के अंतर्गत जागरूकता निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय मतदाता में प्रलोभन/दबाव रोकने के प्रभावी उपाय एवं लोकतंत्र में मतदान का महत्व था। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी श्री धनंजय पांडेय ने भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के छात्र शिवम पाण्डेय ने प्राप्त किया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

राष्ट्रीय सेवा योजना

दिनांकः **22 नवम्बर, 2023** को राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत सड़क सुरक्षा क्लब और मतदान जागरूकता के तत्वाधान में भाषण, पोस्टर, निबंध और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अभियान के प्रतियोगिता श्रृंखला में गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में विद्यार्थियों हेतु भाषण, चित्रकला, प्रश्नोत्तरी एवं निबंध, प्रतियोगिता आयुर्वेद कॉलेज में आयोजित किया गया।

सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता के केन्द्रित विषय–सड़क सुरक्षा एक आंदोलन युवाओं की भूमिका, सड़क सुरक्षा नियमों का अनुपालन व्यवहारिक चुनौतियां, आधुनिक भारत में सड़क सुरक्षा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य और पोस्टर सड़क सुरक्षा से संबंधित विषय पर भाषण प्रतियोगिता हुई साथ ही मतदाता जागरूकता अभियान प्रतियोगिता श्रृंखला में 100 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। भाषण प्रतियोगिता के विषय लोकतंत्र में युवाओं का योगदान जिसमें निर्णायक मंडल के भूमिका में रोड सेफ्टी कल के नोडल अधिकारी श्री धनंजय पांडेय और मतदाता जागरूकता अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे, शिक्षक श्री अनिल मिश्रा, डॉ.अमित दुबे, आशुतोष श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

राष्ट्रीय सेवा योजना

भाषण प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

दिनांकः 22 नवम्बर, 2023 को राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत सड़क सुरक्षा क्लब और मतदान जागरूकता के तत्वाधान में भाषण, पोस्टर, निबंध और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अभियान के प्रतियोगिता श्रृंखला में गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में विद्यार्थियों हेतु भाषण आयुर्वेद कॉलेज में आयोजित किया गया।

सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता के केन्द्रित विषय–सड़क सुरक्षा एक आंदोलन युवाओं की भूमिका, सड़क सुरक्षा नियमों का अनुपालन व्यवहारिक चुनौतियां, आधुनिक भारत में सड़क सुरक्षा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य और पोस्टर सड़क सुरक्षा से संबंधित विषय पर भाषण प्रतियोगिता हुई। साथ ही मतदाता जागरूकता अभियान प्रतियोगिता श्रृंखला में 100 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। भाषण प्रतियोगिता के विषय लोकतंत्र में युवाओं का योगदान जिसमें निर्णायक मंडल के भूमिका में रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी श्री धनंजय पांडेय और मतदाता जागरूकता अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे, शिक्षक श्री अनिल मिश्रा, डॉ.अमित दुबे, आशुतोष श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

राष्ट्रीय कैडेट कोर के 75वें स्थापना दिवस

दिनांकः 26 नवम्बर, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर के 75वें स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी गोरखपुर के समस्त कैडेट्स द्वारा राष्ट्र संकल्प परेड किया गया।

परेड करते हुए कैडेट्स

राष्ट्र संकल्प परेड में मुख्य अतिथि कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई ने कहा कि एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है। जो युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सैदेव तैयार रहती है। कैडेट्स एकता और अनुशासन के साथ अखंड भारत के संकल्प को पूर्ण करने का सौभाग्य ग्रहण कर रहे है। राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। इसके लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर के सभी कैडेट्स, सेवा अधिकारियों को बधाई जो निस्वार्थ भाव से राष्ट्र सेवा का संकल्प पूरा कर रहे है। मुख्य अतिथि मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई ने अपने उद्बोधन में बताया कि राष्ट्रीय कैडेट कोर एकता के साथ कार्य करते हुए युवाओं में चरित्र–निर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करती है। एनसीसी सीटीओ डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की सरहदों की रक्षा के लिए कैडेट्स को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है। शिक्षा के साथ सैन्य अनुशासन का अभ्यास देश की रक्षार्थ प्रेरणा देता रहता है। एनसीसी डे पर कैडेट्स ने एक भारत श्रेष्ठ भारत के मुख्य विषय पर राष्ट्र संकल्प परेड कर विश्वविद्यालय में सभी विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम एनसीसी अधिकारी डॉ. हरिकृष्ण ने कहा की विश्वविद्यालय में एनएनसी दिवस का पहला आयोजन अभूतपूर्ण है जो कैडेट्स को सैन्य प्रशिक्षण देकर देश सेवा के लिए प्रेरित कर रहा है। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी को एनओ डॉ. हरिकृष्ण और सीटीओ डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने पुष्प भेंटकर स्वागत किया। राष्ट्र संकल्प परेड का नेतृत्व कैडेट्स सागर जायसवाल ने किया। कार्यक्रम परेड का निरीक्षण कर कुलपति ने प्रसन्नता व्यक्त कर कैडेट्स को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. धनंजय पाण्डेय, एनसीसी कैडेट सागर जायसवाल, प्रियेश राम त्रिपाठी, आदित्य विश्वकर्मा, मोतीलाल, कृष्णा त्रिपाठी, अनुभव, आशुतोष सिंह, भानु प्रताप सिंह, आशुतोष मणि त्रिपाठी, सागर यादव, शिवम, अंशिका सिंह, खुशी गुप्ता, आंचल पाठक, पूजा सिंह, शालिनी चौहान, प्रीति शर्मा, जयश्री शर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उपलब्धियाँ

समाचार पत्रों में

02 नवम्बर, 2023 से 30 नवम्बर, 2023

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर

मेंहदी रचाकर लिया मतदान का संकल्प

संवाददाता

गोरखपुर, 6 नवंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित मेंहदी प्रतियोगिता

में विद्यार्थियों ने मतदान का संकल्प लिया। प्रतियोगिता में सभी संकायों के विद्यार्थियों ने श्मेरा वोट मेरा अधिकार, चलो मतदान करेंश विषय पर मेंहदी रचाकर अपने भावों को अभिव्यक्त किया। मतदाता जागरूकता के नोडल अधिकारी डॉ संदीप श्रीवास्तव के संयोजन में 75 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, उप कुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, सम्बद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, कृषि विज्ञान के अधिष्ठाता डॉ.विमल कुमार दुबे, पैरामेडिकल के डॉ रोहित श्रीवास्तव, फार्मेसी के अधिष्ठाता डॉ एसके सिंह, कुमुद त्रिपाठी, राष्ट्रीय सेवा योजना के डॉ.अखिलेश दुबे, डॉ. धनंजय पाण्डेय और राष्ट्रीय कैडेट कोर के डॉ हरिकृष्ण का सहयोग रहा। मेंहदी प्रतियोगिता की निर्याणक डॉ अनुपमा ओझा, प्रभा शर्मा, अनुपमा आनंद सिंह ने श्रेष्ठता के आधार पर प्रतिभागियों का चयन किया। प्रथम स्थान साधना साहनी को, द्वितीय सेजल, और तृतीय स्थान मधु गोंड, अमृता कन्नौजिया व अलका कुमारी को प्राप्त हुआ। सांत्वना पुरस्कार के लिए शालिनी चौहान, अर्चिता गुप्ता, पूर्णिमा गुप्ता, रेखा, ऋतु पांडेय, निधि व मनिता का चयन हुआ।

मेंहदी रचा छात्राओं ने लिया मतदान का संकल्प

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत आयोजित मेंहदी प्रतियोगिता में छात्राओं ने मतदान का संकल्प लिया।

महायोगी गोरखनाथ विवि में हुई मेंहदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान साधना साहनी को, द्वितीय सेजल और तृतीय स्थान मधु गोंड, अमृता कन्नौजिया तथा अलका कुमारी को मिला

प्रतियोगिता में सभी संकायों के छात्रों ने मेरा वोट मेरा अधिकार, चलो मतदान करें विषय पर मेंहदी रचाकर अपने भावों को अभिव्यक्त किया। मतदाता जागरूकता के नोडल अधिकारी डा. संदीप श्रीवास्तव के संयोजन में 75 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डा. प्रदीप राव, उप कुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस, सम्बद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, कृषि विज्ञान के अधिष्ठाता डा. विमल कुमार दुबे, पैरामेडिकल के डा. रोहित श्रीवास्तव, फार्मेसी के अधिष्ठाता डा. एसके सिंह, कुमुद त्रिपाठी, राष्ट्रीय सेवा योजना के डा. अखिलो दुबे, डा. धनंजय पाण्डेय और राष्ट्रीय कैडेट कोर के डा. हरिकृष्ण आदि का सहयोग रहा। मेंहदी प्रतियोगिता की निर्याणक डा. अनुपमा ओझा, प्रभा शर्मा एवं अनुपमा आनंद सिंह ने श्रेष्ठता के आधार पर प्रतिभागियों का चयन किया। प्रथम स्थान साधना साहनी को, द्वितीय सेजल और तृतीय स्थान मधु गोंड, अमृता कन्नौजिया व अलका कुमारी को प्राप्त हुआ। सांत्वना पुरस्कार के लिए शालिनी चौहान, अर्चिता गुप्ता, पूर्णिमा गुप्ता, रेखा, ऋतु पाण्डेय, निधि तथा मनिता का चयन हुआ।

कुष्ठ आश्रम में चलाया जागरूकता अभियान : गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी चौरंगीनाथ इकाई की स्वयंसेविकाओं ने प्राचार्या डा. डीएस अजीथा के नेतृत्व में सोमवार को कुष्ठ आश्रम राजेन्द्र नगर में जागरूकता का अभियान चलाया। छात्राओं ने कुष्ठ आश्रम के रोगियों से मुलाकात की और उन्हें स्वच्छता और सफाई के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। सभी स्वयंसेविकाओं ने मिलकर आश्रम परिसर की साफ-सफाई भी की। कार्यक्रम अधिकारी सत्यभामा सिंह एवं अमृता की देखरेख में सम्पन्न हुआ।

मेहंदी रचाकर लिया मतदान का संकल्प

गोरखनाथ विवि

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान चल रहा है। इसके अंतर्गत सोमवार को आयोजित मेहंदी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने मतदान का संकल्प लिया।

प्रतियोगिता में सभी संकायों के विद्यार्थियों ने मेरा वोट मेरा अधिकार, चलो मतदान करें विषय पर मेहंदी रचाकर अपने भावों को अभिव्यक्त किया। मतदाता जागरूकता के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव के संयोजन में 75 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, उप कुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, सम्बद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, कृषि विज्ञान के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, पैरामेडिकल के डॉ. रोहित

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत हुई प्रतियोगिता।

श्रीवास्तव, फार्मेसी के अधिष्ठाता डॉ. एसके सिंह, कुमुद त्रिपाठी, राष्ट्रीय सेवा योजना के डॉ. अखिलेश दुबे, डॉ. धनंजय पाण्डेय और राष्ट्रीय कैडेट कोर के डॉ. हरिकृष्ण मौजूद रहे। मेहंदी प्रतियोगिता की निर्याणक डॉ. अनुपमा ओझा, प्रभा शर्मा, अनुपमा आनंद सिंह रहे। प्रथम स्थान साधना साहनी को, द्वितीय सेजल और तृतीय स्थान मधु गोंड, अमृता कन्नौजिया व अलका कुमारी को प्राप्त हुआ। सांत्वना पुरस्कार के लिए शालिनी चौहान, अर्चिता गुप्ता, पूर्णिमा गुप्ता, रेखा, ऋतु पांडेय, निधि व मनिता का चयन हुआ।

विद्यार्थियों ने लिया मतदान का संकल्प

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत सोमवार को विद्यार्थियों ने मतदान का संकल्प लिया। इसके अलावा सभी संकायों में मेरा वोट मेरा अधिकार, चलो मतदान करें विषय पर मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। नोडल अधिकारी डॉ संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम साधना साहनी, द्वितीय सेजल और तृतीय स्थान मधु गोंड, अमृता कन्नौजिया व अलका को प्राप्त हुआ। संवाद

मेंहदी रचाकर लिया मतदान का संकल्प

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित मेंहदी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने मतदान का संकल्प लिया। प्रतियोगिता में सभी संकायों के विद्यार्थियों ने %मेरा वोट मेरा अधिकार, चलो मतदान करें% विषय पर मेंहदी रचाकर अपने भावों को अभिव्यक्त किया। मतदाता जागरूकता के नोडल अधिकारी डॉ संदीप श्रीवास्तव के संयोजन में 75 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, उप कुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, सम्बद्ध

स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, कृषि विज्ञान के अधिष्ठाता डॉ.विमल कुमार दुबे, पैरामेडिकल के डॉ रोहित श्रीवास्तव, फार्मेसी के अधिष्ठाता डॉ एसके सिंह, कुमुद त्रिपाठी, राष्ट्रीय सेवा योजना के डॉ.अखिलेश दुबे, डॉ. धनंजय पाण्डेय और राष्ट्रीय कैडेट कोर के डॉ हरिकृष्ण का सहयोग रहा। मेंहदी प्रतियोगिता की निर्णायक डॉ अनुपमा ओझा, प्रभा शर्मा, अनुपमा आनंद सिंह ने श्रेष्ठता के आधार पर प्रतिभागियों का चयन किया। प्रथम स्थान साधना साहनी को, द्वितीय सेजल, और तृतीय स्थान मधु गोंड, अमृता कन्नौजिया व अलका कुमारी को प्राप्त हुआ। सांत्वना पुरस्कार के लिए शालिनी चौहान, अर्चिता गुप्ता, पूर्णिमा गुप्ता, रेखा, ऋतु पांडेय, निधि व मनिता का चयन हुआ।

देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है एनसीसी : मेजर जनरल वाजपेयी

गोरखपुर। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के स्थापना दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा परेड का राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति,मेजर जनरल (सेवानिवृतन) डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है जो युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सैदेव तैयार रहती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। राष्ट्रीय कैडेट कोर एकता के साथ कार्य करते हुए युवाओं में चरित्रनिर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करती है। इस अवसर पर एनसीसी के सीटीओ डॉ .संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सरहदों की रक्षा के लिए कैडेट्स को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है। एनसीसी अधिकारी डॉ.हरि कृष्ण ने कहा कि विश्वविद्यालय में एनएनसी दिवस का पहला आयोजन अभूतपूर्व है। राष्ट्र संकल्प परेड का नेतृत्व कैडेट्स सागर जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अखिलेश कुमार दुबे, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ विमल कुमार दुबे, डॉ धनंजय पांडेय आदि भी मौजूद रहे।

मेंहदी रचाकर लिया मतदान का संकल्प

गोरखपुर (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित मेंहदी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने मतदान का संकल्प लिया। प्रतियोगिता में सभी संकायों के विद्यार्थियों ने मेरा वोट मेरा अधिकार, चलो मतदान करें विषय पर मेंहदी रचाकर अपने भावों को अभिव्यक्त किया।

मतदाता जागरूकता के नोडल अधिकारी डॉ संदीप श्रीवास्तव के संयोजन में 75 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, उप कुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, कृषि विज्ञान के अधिष्ठाता डॉ.विमल कुमार दुबे, पैरामेडिकल के डॉ रोहित श्रीवास्तव, फार्मेसी के अधिष्ठाता डॉ एसके सिंह, कुमुद त्रिपाठी, राष्ट्रीय सेवा योजना के डॉ.अखिलेश दुबे, डॉ. धनंजय पाण्डेय और राष्ट्रीय कैडेट कोर के डॉ हरिकृष्ण का सहयोग रहा।

मेंहदी प्रतियोगिता की निर्णायक डॉ अनुपमा ओझा, प्रभा शर्मा, अनुपमा आनंद सिंह ने श्रेष्ठता के आधार पर प्रतिभागियों का चयन किया। प्रथम स्थान साधना साहनी को, द्वितीय सेजल, और तृतीय स्थान मधु गोंड, अमृता कन्नौजिया व अलका कुमारी को प्राप्त हुआ। सांत्वना पुरस्कार के लिए शालिनी चौहान, अर्चिता गुप्ता, पूर्णिमा गुप्ता, रेखा, ऋतु पांडेय, निधि व मनिता का चयन हुआ।

गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्रों ने किया प्रतिनिधित्व

गोरखपुर : केंद्र सरकार द्वारा चलाए गए मेरी माटी मेरा देश अमृत कलश यात्रा और अमृत महोत्सव के समापन मौके पर 28 से 31 अक्टूबर तक नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र शिवम पांडे ने गोरखपुर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। लखनऊ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली के लिए जिस प्रतिनिधिमंडल को रवाना किया था, उसमें शिवम भी शामिल थे। वह विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के बीएससी बायोटेक्नोलाजी द्वितीय वर्ष के छात्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक हैं। वहीं विश्वविद्यालय की ही दो छात्राएं शगुन शाही और अंजलि सिंह (एमएससी मेडिकल माइक्रोबायोलाजी द्वितीय वर्ष) का चयन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस परेड में प्रतिभाग करने के लिए हुआ है। तीनों विद्यार्थियों को कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेई, कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव समेत सभी शिक्षकों ने शुभकामनाएं दी हैं। -विज्ञप्ति

देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है एनसीसी : मेजर जनरल वाजपेयी

गोरखपुर,ब्यूरो। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के स्थापना दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय में संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा परेड का राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति,मेजर जनरल (सेवानिवृतन) डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है जो युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सैदेव तैयार रहती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। राष्ट्रीय कैडेट कोर एकता के साथ कार्य करते हुए युवाओं में चरित्रनिर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करती है।इस अवसर पर एनसीसी के सीटीओ डॉ .संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सरहदों की रक्षा के लिए कैडेट्स को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है। एनसीसी अधिकारी डॉ.हरि कृष्ण ने कहा कि विश्वविद्यालय में एनएनसी दिवस का पहला आयोजन अभूतपूर्व है। राष्ट्र संकल्प परेड का नेतृत्व कैडेट्स सागर जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अखिलेश कुमार दुबे, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ विमल कुमार दुबे, डॉ धनंजय पांडेय आदि भी मौजूद रहे।

मास हेल्थ एजुकेशन कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता / गोरखपुर।महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र,जंगल कौडिया में बीएससी नर्सिंग 5वां सेमेस्टर की 30 छात्राओं ,तथा पीबी बीएससी के 05 छात्राओं द्वारा मास हेल्थ एजुकेशन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मास हेल्थ एजुकेशन के विषय (शारीरिक स्वच्छता एवम कचरे का निपटान) के परिचय से शुरूवात की गई । जिसका मुख्य उद्देश शरीर के विभिन्न भाग की साफ सफाई के तरीकों, संचारी रोगों से बचाव तथा कचरे का सही तरीके से निपटान करना था।छात्राओं ने विभिन्न तरह के पोस्टर्स के माध्यम , स्वरचित कविता , एवम कठपुतली नृत्य के माध्यम से गांववासियों को कचरे के निपटान, शरीर की स्वच्छता विभिन्न तरीकों द्वारा तथा कचरे का नस्टीकरण के बारे में जानकारी दी। तथा कार्यक्रम के अंत में छात्राओं द्वारा स्कूल के सभी विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को जलपान दिया गया। यह कार्यक्रम मिस आराधना, मिसेज निधि सिंह , मिस रोजी, मिसेज संगीता तथा मिस नैंसी के नेतृव में सम्पन किया गया।

देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है एनसीसी : मेजर जनरल वाजपेयी

☐ **महायोगी गोरखनाथ विवि में एनसीसी दिवस पर कैडेट्स ने परेड कर लिया राष्ट्र सेवा का संकल्प**

स्वतन्त्र चेतना

गोरखपुर। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के स्थापना दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा परेड का राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति,मेजर जनरल (सेवानिवृतन) डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है जो युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सैदेव तैयार रहती है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर एकता के साथ कार्य करते हुए युवाओं में चरित्रनिर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करती है।

इस अवसर पर एनसीसी के सीटीओ डॉ .संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सरहदों की रक्षा के लिए कैडेट्स को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है। एनसीसी अधिकारी डॉ.हरि कृष्ण ने कहा कि विश्वविद्यालय में एनएनसी दिवस का पहला आयोजन अभूतपूर्व है।

कर्तव्य पथ पर चले शिवम अब शगुन और अंजलि को गणतंत्र दिवस परेड में मौका

गोरखपुर। मेरी माटी मेरा देश अमृत कलश यात्रा और अमृत महोत्सव समापन में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र शिवम पांडेय ने 31 अक्तूबर को दिल्ली में कर्तव्य पथ पर गोरखपुर का प्रतिनिधित्व किया। अब इसी विश्वविद्यालय की दो छात्राएं शगुन शाही और अंजलि सिंह गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होंगी।

विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के बीएससी बायोटेक्नोलॉजी द्वितीय वर्ष के छात्र एनएसएस के महायोगी उदायनाथ इकाई के स्वयंसेवक शिवम पांडेय समेत विभिन्न स्वयंसेवक 31 अक्तूबर की शाम को दिल्ली में कर्तव्य पथ पर एकत्रित हुए। प्रधानमंत्री ने इस अमृत कलश यात्रा का समापन किया। संवाद

महायोगी गोरखनाथ विवि के छात्रों ने किया गोरखपुर का प्रतिनिधित्व

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर।भारत सरकार द्वारा चलाए गए मेरी माटी मेरा देश अमृत कलश यात्रा और अमृत महोत्सव समापन में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र शिवम पांडे को 28 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक के लिए गोरखपुर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए आमंत्रित किया गया था। वह विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के बीएससी बायोटेक्नोलॉजी द्वितीय वर्ष के छात्र एव राष्ट्रीय सेवा योजना के महायोगी उदायनाथ इकाई के स्वयंसेवक हैं। 26 अक्टूबर को जिला स्तर पर महापौर मगलेश श्रीवास्तव ,युवा कल्याण अधिकारी ने अमित सिंह ,सीमा पांडे ने अमृत कलश यात्रा राज्य समापन के लिए रवाना किया और 28 अक्टूबर को शाम 4 :00 बजे उत्तर प्रदेश की राजधानी में सभी जिलों की एक प्रतिनिधित्व मंडल वृंदावन झूलेलाल वाटिका लखनऊ में एकत्रित हुए जहां पर उत्तर प्रदेश की मुख्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पर्यटन मंत्री, संस्कृति मंत्री, आदि ने उत्तर प्रदेश में आजादी के अमृत कलश यात्रा का समापन किया और वीरों के परिवार को समानित किया गया।शिवम पांडेय ने कहा की इस कार्यक्रम में शामिल होकर अपने आप को भाग्यशाली और गौरवशाली मानते है की वह महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय के छात्र हैं जिसके अंतर्गत उन्हें कई राज्यो के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात करने को मौका मिला।

विद्यार्थियों ने हासिल की उपलब्धि

गोरखपुर (एसएनबी)। भारत सरकार द्वारा चलाए गए मेरी माटी मेरा देश अमृत कलश यात्रा और अमृत महोत्सव समापन में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र शिवम पांडे को 28 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक के लिए गोरखपुर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

वह विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के बीएससी बायोटेक्नोलाजी द्वितीय वर्ष के छात्र एव राष्ट्रीय सेवा योजना के महायोगी उदायनाथ इकाई के स्वयंसेवक हैं। 26 अक्टूबर को जिला स्तर पर महापौर डा. मगलेश श्रीवास्तव, युवा कल्याण अधिकारी ने अमृत कलश यात्रा राज्य समापन के लिए रवाना किया था। शिवम पांडेय ने कहा की इस कार्यक्रम में शामिल होकर अपने आप को भाग्यशाली और गौरवशाली मानते हैं। कहा कि वह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र हैं। जिसके अंतर्गत उन्हें कई राज्यों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करने का मौका मिला। विश्वविद्यालय की छात्राएं शगुन शाही और अंजलि सिंह का चयन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस परेड में प्रतिभाग करने के लिए हुआ है। यह गोरखपुर के लिए गौरव की बात है की सिर्फ 2 साल की अवधि में महायोगी गोरखनाथ विवि गोरखपुर के छात्र सफलता का परचम लहराते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपने जिले, प्रदेश और विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। इन तीनों छात्रों को विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डा.) अतुल वाजपेई, कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता व विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण द्वारा इनका स्वागत किया गया और शुभकामनाएं दीं।

गोरखनाथ विवि के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर किया पूर्वांचल का प्रतिनिधित्व

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। अमृत कलश यात्रा और अमृत महोत्सव के समापन समारोह में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने पूर्वांचल का प्रतिनिधित्व किया। विवि के छात्र शिवम पांडेय को 28 से 31 अक्तूबर तक गोरखपुर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

शिवम पांडेय

शगुन शाही

अंजलि सिंह

वे विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के बीएससी बायोटेक्नोलॉजी द्वितीय वर्ष के छात्र एव राष्ट्रीय सेवा योजना के महायोगी उदायनाथ इकाई के स्वयंसेवक हैं। दिल्ली में देश भर के 28 राज्य 8 केंद्रीय शासित प्रदेश 55 केंद्रीय मंत्रालय के लोग वहां पर 31 अक्तूबर को कर्तव्य पथ पर एकत्रित हुए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रहे। शिवम ने कहा की इस कार्यक्रम में शामिल होकर भाग्यशाली और गौरवशाली मानते हैं। वह गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र हैं। इसके अंतर्गत उन्हें कई राज्यो के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात करने को मौका मिला। वहीं विश्वविद्यालय की ही दो छात्राओं का चयन गणतंत्र दिवस की परेड के लिए हुआ है। यह है बीएससी बायोटेक्नोलॉजी द्वितीय वर्ष की शगुन शाही और एमएससी मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी द्वितीय वर्ष की अंजलि सिंह। इनका चयन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा किया गया है। तीनों छात्रों को विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ) अतुल वाजपेई, कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने शुभकामनाएं दी।

देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है एनसीसी : मेजर जनरल वाजपेयी

➡ महायोगी गोरखनाथ विवि में एनसीसी दिवस पर कैडेट्स ने परेड कर लिया राष्ट्र सेवा का संकल्प

न्याय आपका संवाददाता

गोरखपुर। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के स्थापना दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा परेड का राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति, मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है जो युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सैदेव तैयार रहती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। राष्ट्रीय कैडेट कोर एकता के साथ कार्य करते हुए युवाओं में चरित्रनिर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करती है। इस अवसर पर एनसीसी के सीटीओ डॉ .संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सरहदों की रक्षा के लिए कैडेट्स को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है। एनसीसी अधिकारी डॉ.हरि कृष्ण ने कहा कि विश्वविद्यालय में एनएनसी दिवस का पहला आयोजन अभूतपूर्व है। राष्ट्र संकल्प परेड का नेतृत्व कैडेट्स सागर जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अखिलेश कुमार दुबे, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ विमल कुमार दुबे, डॉ धनंजय पांडेय आदि भी मौजूद रहे।

'चलो मतदान करें' रंगोली प्रतियोगिता में दिखे मतदान की शक्ति के विविध रंग

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्रांगण में हुआ।

इस अवसर पर नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने विद्यार्थियों को मतदान के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि लोकतंत्र के नव निर्माण में मतदाता को अपनी मतदान शक्ति का प्रयोग जरूर करना चाहिए। मत की शक्ति से सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। 'चलो मतदान करें' थीम पर हुई रंगोली प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों ने लोकतंत्र के विविध रंगों से अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त की। निर्णायक मंडल में शामिल डॉ.यास्मीन व श्वेता अल्बर्ट ने श्रेष्ठ रंगोली में शालनी व निधि को प्रथम, ब्यूटी व प्रतीक्षा, प्रीति, दरख्शां को द्वितीय और दीपिका व सागर को तृतीय पुरस्कार के लिए चयनित किया। मतदाता जागरूकता अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में हुई प्रतियोगिता में राष्ट्रीय कैडेट कोर के डॉ. हरिकृष्ण, राष्ट्रीय सेवा योजना के धनंजय पाण्डेय का सहयोग रहा। इसी क्रम में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में निर्वाचन आयोग द्वारा संकल्पित मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत 'लोकतंत्र के संकल्प में हर वोट जरूरी' विषय पर गुरुवार को चकबंदी अधिकारी साकेत कुमार त्रिपाठी, दिनेश कुमार पंकज, उमेश चन्द लक्ष्मण चौहान की मौजूदगी में सभी विभागों के विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, उप कुलसचिव श्रीकांत, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो.सुनील कुमार सिंह, फार्मेसी के अधिष्ठाता डॉ एसके सिंह और नर्सिंग कॉलेज की प्रधानाचार्या डीएस अजीथा और मतदाता जागरूक के नोडल अधिकारी आदि का सहयोग रहा।

चलो मतदान करें रंगोली प्रतियोगिता में दिखे मतदान की शक्ति के विविध रंग

☐ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्रांगण में हुआ।

इस अवसर पर नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने विद्यार्थियों को मतदान के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि लोकतंत्र के नव निर्माण में मतदाता को अपनी मतदान शक्ति का प्रयोग जरूर करना चाहिए। मत की शक्ति से सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। ह्यचलो मतदान करेंह्व थीम पर हुई रंगोली प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों ने लोकतंत्र के विविध रंगों से अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त की। निर्णायक मंडल में शामिल डॉ.यास्मीन व श्वेता अल्बर्ट ने श्रेष्ठ रंगोली में शालनी व निधि को प्रथम, ब्यूटी व प्रतीक्षा, प्रीति, दरख्शां को द्वितीय और दीपिका व सागर को तृतीय पुरस्कार के लिए चयनित किया। मतदाता जागरूकता अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में हुई प्रतियोगिता में राष्ट्रीय कैडेट कोर के डॉ. हरिकृष्ण, राष्ट्रीय सेवा योजना के धनंजय पाण्डेय का सहयोग रहा।

इसी क्रम में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में निर्वाचन आयोग द्वारा संकल्पित मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत ह्यलोकतंत्र के संकल्प में हर वोट जरूरीह्व विषय पर गुरुवार को चकबंदी अधिकारी साकेत कुमार त्रिपाठी, दिनेश कुमार पंकज, उमेश चन्द लक्ष्मण चौहान की मौजूदगी में सभी विभागों के विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, उप कुलसचिव श्रीकांत, संबद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो.सुनील कुमार सिंह, फामेर्सी के अधिष्ठाता डॉ एसके सिंह और नर्सिंग कॉलेज की प्रधानाचार्या डीएस अजीथा और मतदाता जागरूक के नोडल अधिकारी आदि का सहयोग रहा।

सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है एनसीसी : मेजर जनरल वाजपेयी

गोरखपुर। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के स्थापना दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा परेड का राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति, मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है जो युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सैदेव तैयार रहती है। एनसीसी के सीटीओ डॉ .संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सरहदों की रक्षा के लिए कैडेट्स को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है। एनसीसी अधिकारी डॉ.हरि कृष्ण ने कहा कि विश्वविद्यालय में एनएनसी दिवस का पहला आयोजन अभूतपूर्व है। राष्ट्र संकल्प परेड का नेतृत्व कैडेट्स सागर जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अखिलेश कुमार दुबे, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ विमल कुमार दुबे, डॉ धनंजय पांडेय आदि भी मौजूद रहे। गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा रविवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में वृहद स्वास्थ्य मेला और नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 503 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें मोतियाबिंद के 12 मरीज चिन्हित किये गए। उपस्थित चिकित्सकों में प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ, डॉ. ओपी सिंह, डॉ मनोज कुमार गुप्ता, डॉ रेनू गुप्ता, नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ राकेश सिंह, डॉ प्रदीप कुशवाहा, डॉ भारत कुमार ने अपनी सेवाएं दीं।

रंगोली के जरिये मतदान को लेकर किया जागरूक

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान
- शालिनी व निधि को प्रथम पुरस्कार के लिए किया गया चयनित

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्रांगण में हुआ। इसमें शालिनी व निधि को प्रथम, ब्यूटी, प्रतीक्षा, प्रीति, दरख्शां को द्वितीय और दीपिका व सागर को तृतीय पुरस्कार के लिए चयनित किया।

नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने कहा कि लोकतंत्र के नव निर्माण में मतदाता को अपनी मतदान शक्ति का प्रयोग जरूर करना चाहिए। मत की शक्ति से सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। चलो मतदान करें थीम पर हुई रंगोली प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों ने लोकतंत्र के विविध रंगों से अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त की। निर्णायक मंडल में शामिल डॉ. यास्मीन व श्वेता अल्बर्ट रहीं। मतदाता जागरूकता अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. हरिकृष्ण, राष्ट्रीय सेवा योजना के धनंजय पाण्डेय का सहयोग रहा। कार्यक्रम में महायोगी गोरखनाथ विवि के कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, उप कुलसचिव श्रीकांत, प्रो. सुनील कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

देश की दूसरी रक्षा पंक्ति है एनसीसी : मेजर वाजपेयी

गोरखपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के स्थापना दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा परेड कर राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया गया।

मुख्य अतिथि कुलपति, मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) डा. अतुल वाजपेयी ने कहा कि एनसीसी देश की सेकेंड लाइन आफ डिफेंस है, जो युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सदैव तैयार रहती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। एनसीसी के सीटीओ डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सरहदों की रक्षा के लिए कैडेट्स को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है। एनसीसी अधिकारी डा. हरि कृष्ण ने कहा कि विश्वविद्यालय में एनएनसी दिवस का पहला आयोजन अभूतपूर्व है। राष्ट्र संकल्प परेड का नेतृत्व कैडेट्स सागर जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डा. अखिलेश कुमार दुबे, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डा. विमल कुमार दुबे, डा. धनंजय पांडेय आदि भी मौजूद रहे।

देश की सेकेंड लाइन आफ डिफेंस है एनसीसी

जासं, गोरखपुर : एनसीसी स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी कैडेट्स ने परेड कर राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि कुलपति जनरल डा. अतुल वाजपेयी ने कहा कि एनसीसी देश की सेकेंड लाइन आफ डिफेंस है। यह युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सदैव तैयार रहती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौतीपूर्ण काम किया है। एनसीसी एकता के साथ काम करते हुए युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन, साहस की भावना और स्वयंसेवा के आदर्शों को विकसित करती है। इस अवसर पर एनसीसी के सीटीओ डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सीमा की रक्षा के लिए कैडेट्स को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है। एनसीसी अधिकारी डा. हरिकृष्ण ने कहा कि विश्वविद्यालय में एनसीसी दिवस का पहला आयोजन अभूतपूर्व है। राष्ट्र संकल्प परेड का नेतृत्व कैडेट सागर जायसवाल ने किया। इस दौरान विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डा. अखिलेश कुमार दुबे, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डा. विमल कुमार दुबे, डा. धनंजय पांडेय आदि मौजूद रहे।

देश में सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है एनसीसी

- एनसीसी दिवस पर कैडेट्स ने परेड कर लिया राष्ट्र सेवा का संकल्प
- मुख्य अतिथि कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने किया संबोधित

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के स्थापना दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। गोरखनाथ विवि संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा परेड का राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया गया।

मुख्य अतिथि कुलपति मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है। यह युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सदैव तैयार रहती है। उन्होंने कहा कि एनसीसी ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। एनसीसी एकता के साथ कार्य करते हुए युवाओं में चरित्रनिर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करती है।

एनसीसी के सीटीओ डॉ .संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सरहदों की रक्षा के लिए युवाओं को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है।

महायोगी गोरखनाथ विवि में एनसीसी दिवस पर मौजूद कैडेट्स। संवाद

एनसीसी विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए करती है तैयार : कुलपति

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ने विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। इसके जरिये युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन, साहस की भावना और स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित किया जाता है।

ये बातें एनसीसी के स्थापना दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एनसीसी के कैडेट्स की तरफ से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कुलपति मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहीं।

कुलपति ने कहा कि एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है जो युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सदैव तैयार रहती है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर उत्तर प्रदेश-२७३००७

राष्ट्रीय सेवा योजना

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in